

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 15 मार्च, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय स्वीकृत के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1599/लेखा0/बजट/2007-08 दिनांक 19 फरवरी, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के आयोजनेत्तर पक्ष के 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान, 16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान मद से संलग्न बी0एम0-15 के अन्तर्गत बचत को कॉलम-5 में उल्लिखित सुसंगत मदों हेतु रू0 50,000/- (रू0 पचास हजार मात्र) की धनराशि अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचत से व्यावर्तन द्वारा धनराशि को व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वतन पर इस आशय से रखी जा रही है कि कृपया विभाग को उनकी माँग के अनुरूप तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अवचनवद्ध मदों में धनराशि को व्यय करते समय मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय।

4- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2853-अलौह खनन तथा धातु कर्म उद्योग, 00-आयोजनेत्तर, 02-खानों का विनियमन तथा विकास, 001-निदेशन तथा प्रशासन लघु शीर्षक 003 के स्थान पर) 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान-00-के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-15 के कॉलम-5 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाई के नामे डाला जायेगा।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा० सं० 205/XXVII(2)/2008, दिनांक 18 मार्च, 2008 के द्वारा उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोक्त।

भवदीया,

(डा० हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1177(1)/VII-2/50-ख/06, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/हल्द्वानी-नैनीताल।
3. निजी सचिव-मा० मुख्यमंत्री जी।
4. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
5. उप निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2
8. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से

(डा० हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।

आय-व्ययक पत्र-46
आयोजनेतार से आयोजनेतार मद में पुनर्विनियोग हेतु 2007-08

अनुसूचक संख्या-23

प्रशासनिक विभाग-आहोगिक विकास अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।

नियंत्रक अधिकारी-निदेशक, उद्योग, भूतत्व एवं खनिकर्ष इकाई, उत्तराखण्ड, देहरादून।

(धनराशि हजार रु० में)

| वर्क प्रकृति तथा सेवाओं का विवरण | मानक मदवार अवधि/वर्ष | वित्तीय वर्ष के लिए अनुमानित व्यय | अवधि प्रमाणित | लेखाधीन जिसमें धनराशि प्रमाणित | स्थानांतरित किया जाना है क्या | पुनर्विनियोग के बाद स्थान 5 की कुल धनराशि | पुनर्विनियोग के बाद स्थान 5 में अंतराधीन धनराशि |
|--|-------------------------|---|------------------|--|-------------------------------|--|--|
| 2653-अलोक खनन तथा धातु कर्म जागीर 02-स्थानों का निविदापत्र तथा विकास 001-निदेशन तथा प्रशासन लेखु शीर्षक 003 के स्थान पर) 03-खनन प्रशासन का अधिभुक्त 16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान-300 | 2 | 74 | 4 | 2853-अलोक खनन तथा धातु कर्म इकाई 02-स्थानों का निविदापत्र तथा विकास 001-निदेशन तथा प्रशासन लेखु शीर्षक 003 के स्थान पर) 03-खनन प्रशासन का अधिभुक्त 08-कार्यलय व्यय 13-देसीफोन पर व्यय | 5 | 6 | 7 |
| योग- 300 | 26 | 74 | 200 | 52-158 | | 600 | 750 150 |

(प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट में अनुमत के प्रसार 151-156 में अतिरिक्त सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।)

सेवा में

महालेखाकार, निरुद्ध बैंक, इचानगर, देहरादून।

संख्या: 1177/VII-2/50-ख/06

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- परिचय कोषाधिकारी।
- 2- निरुद्ध अनुभाग-2
- 3- आई फाइल।

(डॉ० हेमलता ठाडियाल)
अपर सचिव।

आज्ञा से
(डॉ० हेमलता ठाडियाल)
अपर सचिव।